यह पुस्तक छत्तीसगढ़ के शिक्षकों द्वारा पढ़ने के विशेष तकनीक को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। यह क्रमिक अधिगम सामग्री बच्चों को तेज गति से पढ़ने में मदद करेगी।

23

चमेली की सगाई

कक्षा–तीसरी

क्रमिक अधिगम सामग्री

आज बहुत खुशी का दिन था। घर पर काफी चहल–पहल थी। मदार और वैजयंती बेलों से घर को सजा रही थी। जूही कुर्सियाँ लगा रही थी। चमेली के हाथों में चंपा मेंहदी लगा रही थी। गेंदा और मोंगरा दो सुंदर–सुंदर हार बना रही थी।

चमेली और गुलाब ने एक–दूसरे को हार पहनाया। अँगूठी पहनाई। सभी लोग ताली बजाकर गाने लगे–

" गुलाब और चमेली की सगाई, बधाई हो बधाई।"

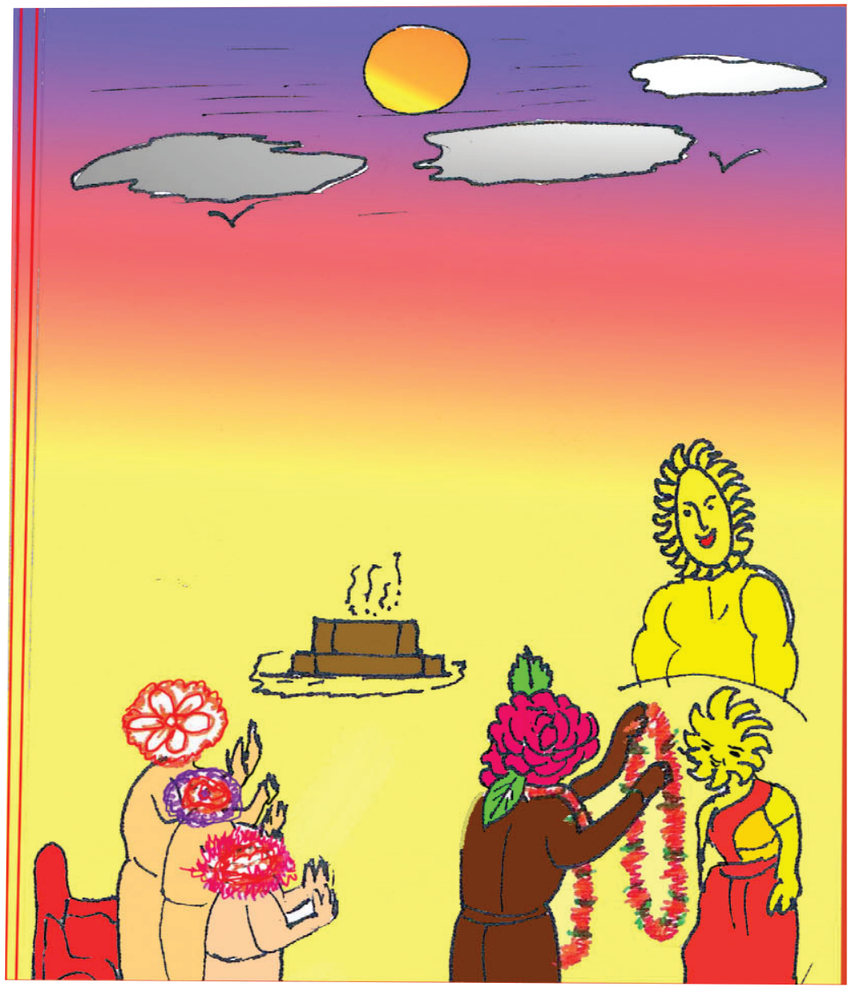

पंडित सूरजमुखी ने जैसे ही मंत्र पढ़ना शुरू किया सूरज ढल गया। शाम हो गई और पंडित सूरजमुखी सो गए। सभी लोगों ने उन्हें रात भर जगाने की खूब कोशिश की। वे नहीं जागे। सुबह हुई, पंडित सूरजमुखी उठ गए और उन्होंने मंत्र पूरा किया।

छुई–मुई और सेवंती से अब रहा नहीं गया और उन्होंने चंपा से पूछा– ''दीदी, आज क्या हो रहा है।'' चंपा ने कहा– ''अरे, तुम्हें नहीं मालूम, आज चमेली बहन की सगाई है।''

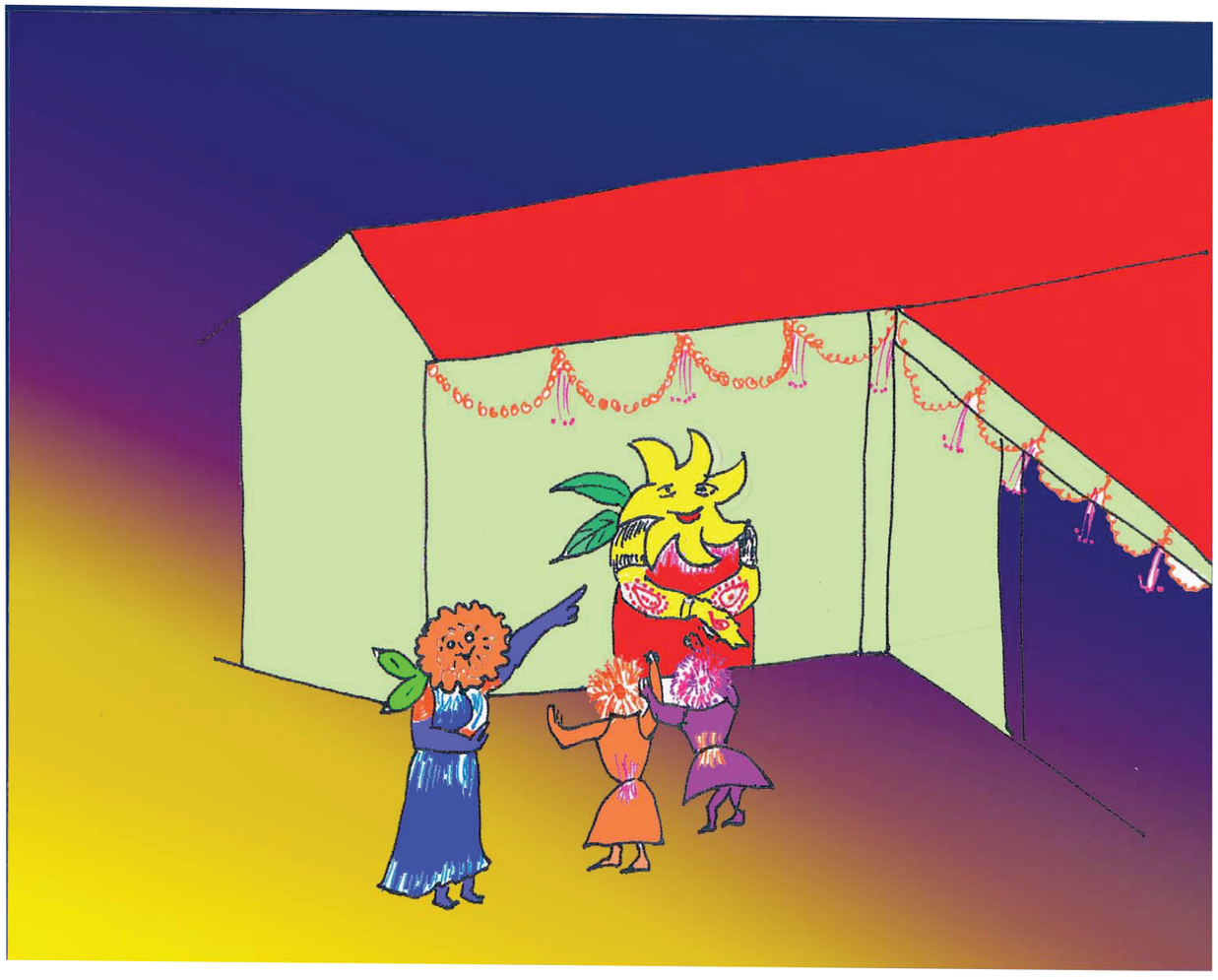

छुई–मुई बोली–''अरे वाह, हमारे जीजा कौन हैं?''
चंपा ने कहा– 'गुलाब'।
सेवंती ने कहा– ''क्या बात है! गुलाब जीजा जी।''

कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। गुलाब वहाँ पर पहले से पहुँच चुका था। चमेली शरमाती हुई आई, दोनों को कमल पर बिठाया गया।

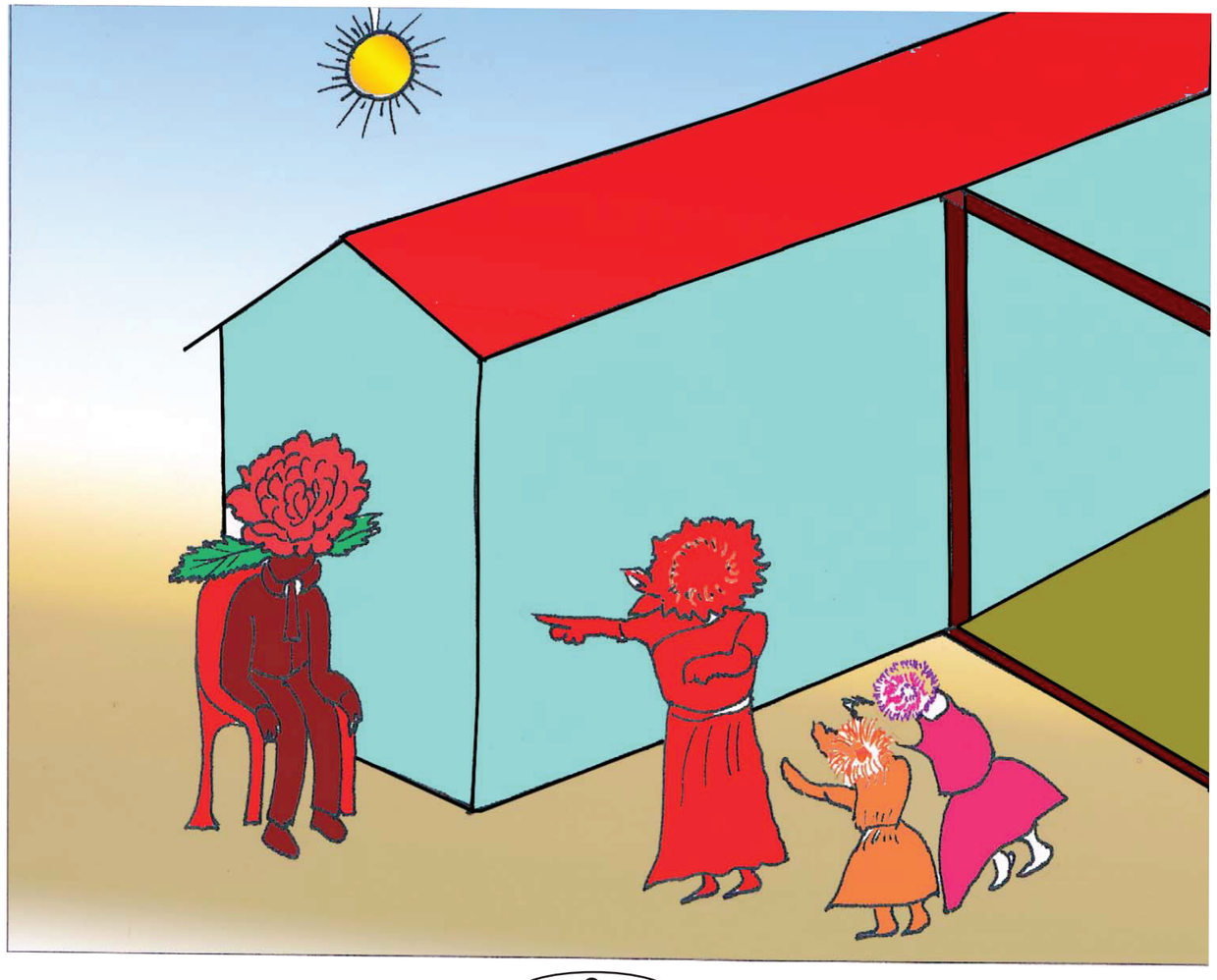

3

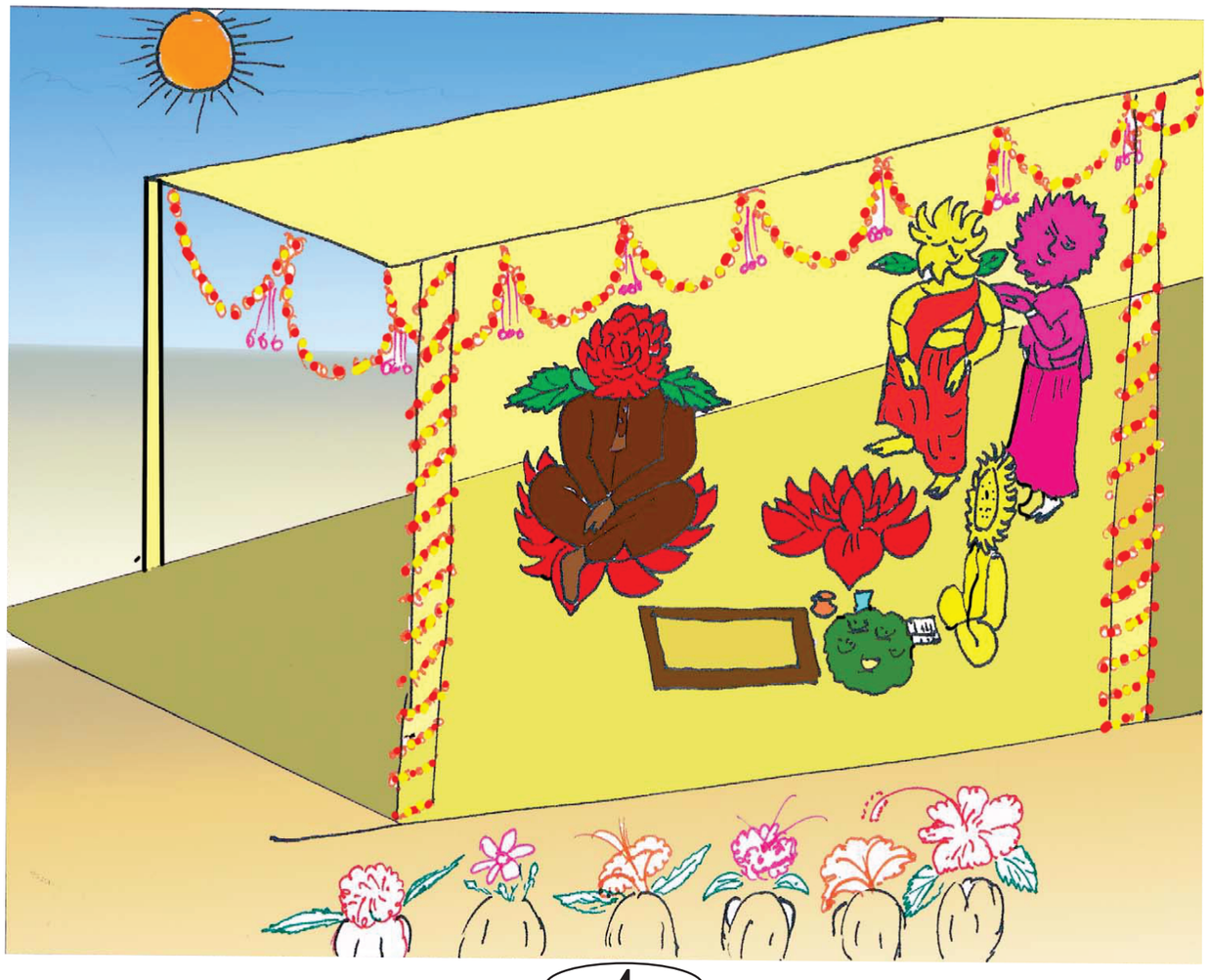

4